CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

# CBSE 2026-27

## हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (Hindi Course A)

Subject Code: 002 | कक्षा दसवीं (Class X)

### अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 1

**समय: 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

**सामान्य निर्देश**

1. यह अंक योजना केवल मूल्य-बिंदु एवं अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित नमूना प्रश्न पत्र (SQP) में दिए गए हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका के मूल्यांकन में उपयुक्त एवं सही वैकल्पिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. भाषा की शुद्धता, शब्द-सीमा तथा प्रस्तुति का ध्यान रखा जाए।

### परीक्षा प्रारूप

| खंड | प्रश्न का प्रकार | प्रश्नों की संख्या | प्रति प्रश्न अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| क | अपठित बोध — अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश (प्रत्येक में 3 बहुविकल्पीय ×1 + 2 लघु उत्तरीय ×2) | 2 | 7 | 14 |
| ख | व्यावहारिक व्याकरण — वाक्य भेद, वाच्य, पद परिचय, अलंकार (प्रत्येक में 5 में से 4 अति लघु उत्तरीय ×1) | 4 | 4 | 16 |
| ग | क्षितिज-2 पठित गद्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1) | 1 | 5 | 5 |
| ग | क्षितिज-2 गद्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द) | 1 | 6 | 6 |
| ग | क्षितिज-2 पठित काव्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1) | 1 | 5 | 5 |
| ग | क्षितिज-2 काव्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द) | 1 | 6 | 6 |
| ग | कृतिका-2 — दीर्घ उत्तरीय (3 में से 2 ×4; 50-60 शब्द) | 1 | 8 | 8 |
| घ | अनुच्छेद लेखन (3 में से 1; लगभग 120 शब्द) | 1 | 6 | 6 |
| घ | पत्र लेखन — औपचारिक/अनौपचारिक (2 में से 1; लगभग 100 शब्द) | 1 | 5 | 5 |
| घ | स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्द) | 1 | 5 | 5 |
| घ | विज्ञापन अथवा संदेश लेखन (लगभग 40 शब्द) | 1 | 4 | 4 |
| | **योग** | **15** | | **80** |

### इकाई-वार अंक भार

| इकाई | इकाई का नाम | अध्याय / विषय | अंक |
|---|---|---|---|
| क | अपठित बोध | अपठित गद्यांश (7), अपठित काव्यांश (7) | 14 |
| ख | व्यावहारिक व्याकरण | रचना के आधार पर वाक्य भेद (4), वाच्य (4), पद परिचय (4), अलंकार (4) | 16 |
| ग | पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (गद्य खंड) | नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज़, एक कहानी यह भी, नौबतखाने में इबादत, संस्कृति | 11 |
| ग | पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (काव्य खंड) | सूरदास के पद, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद, आत्मकथ्य, उत्साह व अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान व फसल, संगतकार | 11 |
| ग | पूरक पाठ्यपुस्तक — कृतिका भाग-2 | माता का अँचल, साना-साना हाथ जोड़ि, मैं क्यों लिखता हूँ? | 8 |
| घ | रचनात्मक लेखन | अनुच्छेद (6), पत्र (5), स्ववृत्त/ई-मेल (5), विज्ञापन/संदेश (4) | 20 |
| | **योग** | | **80** |

## खंड – क

अपठित बोध (14 अंक)

**Q1.** **[7]**

**(i)** (b) नदियों और नालों के रास्ते समुद्र में **[1]**
**(ii)** (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
**(iii)** (b) तालाब, बावड़ी और कुंड **[1]**
**(iv)** (1) दाँत मांजते समय या अन्य कार्यों में नल खुला न छोड़ना। (2) रिसते नलों की समय पर मरम्मत कराना तथा गाड़ियों को बहते पानी से न धोना। (कोई दो) **[2]**
**(v)** (1) छतों से गिरने वाले पानी को टंकियों या गड्ढों में बिना अधिक खर्च के एकत्र किया जा सकता है। (2) इससे भूजल स्तर बढ़ता है और वर्ष भर पानी उपलब्ध रहता है। **[2]**

**Q2.** **[7]**

**(i)** (a) जो गिर-गिरकर भी उठता है **[1]**
**(ii)** (a) धीरज और मेहनत से लक्ष्य अवश्य मिलता है **[1]**
**(iii)** (a) अमृत **[1]**
**(iv)** जो गिर-गिरकर भी उठता है और काँटों से नहीं डरता, वह फूल की तरह खिलता है, क्योंकि कठिनाइयों से जूझकर ही सफलता मिलती है। **[2]**
**(v)** हार न मानकर धैर्य और परिश्रम से आगे बढ़ते रहना चाहिए; सफलता अवश्य मिलती है। **[2]**

## खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

**Q3.** **[4]**

**(i)** संयुक्त वाक्य (दो स्वतंत्र उपवाक्य 'और' से जुड़े हैं) **[1]**
**(ii)** मिश्र वाक्य (प्रधान उपवाक्य के साथ क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य 'वे जब उनका ज़िक्र करते हैं') **[1]**
**(iii)** संयुक्त वाक्य (दो स्वतंत्र उपवाक्य 'लेकिन' से जुड़े हैं) **[1]**
**(iv)** मिश्र वाक्य (प्रधान उपवाक्य के साथ विशेषण आश्रित उपवाक्य 'जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं') **[1]**
**(v)** कठोर भी बनो और सहृदय भी बनो। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

**Q4.** **[4]**

**(i)** आओ, पेड़ की छाया में बैठा जाए। **[1]**
**(ii)** ड्राइवर द्वारा ज़ोर से ब्रेक मारे गए। **[1]**
**(iii)** कर्मवाच्य **[1]**
**(iv)** उसने गीत नहीं गाया। **[1]**
**(v)** बच्चे पढ़ नहीं सके। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

**Q5.** **[4]**

**(i)** विस्मयादिबोधक अव्यय (हर्षसूचक) **[1]**
**(ii)** सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य **[1]**
**(iii)** परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'काट दीजिए' क्रिया की विशेषता **[1]**
**(iv)** विस्मयादिबोधक अव्यय (हर्षसूचक) **[1]**
**(v)** अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भविष्यत् काल, कर्तृवाच्य **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

**Q6.** **[4]**

**(i)** अतिशयोक्ति **[1]**
**(ii)** मानवीकरण **[1]**
**(iii)** रूपक **[1]**
**(iv)** उपमा **[1]**
**(v)** उत्प्रेक्षा **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

## खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

**Q7.** **[5]**

**(i)** (b) देशभक्तों का मज़ाक उड़ाने वाली बिकाऊ कौम को देखकर **[1]**
**(ii)** (c) मूर्तिकार मास्टर की भूल और कैप्टन की मृत्यु के कारण **[1]**
**(iii)** (c) चौराहे पर आते ही स्वभावतः मूर्ति की ओर उठ गईं **[1]**
**(iv)** (b) नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखकर **[1]**
**(v)** (c) देशभक्तों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का **[1]**

**Q8.** **[6]**

**(i)** पिता रसोई को भटियारखाना कहते थे। उनके अनुसार वहाँ रहना लेखिका की क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था, इसलिए वे चाहते थे कि वह रसोई से दूर रहे। (प्रत्येक बिंदु 1) **[2]**
**(ii)** वह किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत नहीं था, बल्कि अपनी सहज संस्कृति से प्रेरित होकर तारों के रहस्य को जानने में लगा; इसी से उसने ज्ञान का नया मार्ग खोला। **[2]**
**(iii)** माघ की कँपकँपाती भोर थी, तारे बुझे नहीं थे और चारों ओर कुहासा था। उस रहस्यमय वातावरण में भगत कुश की चटाई पर पूरब मुँह बैठे, कमली ओढ़े, खँजड़ी बजाते मस्ती से गा रहे थे और उनके माथे पर पसीने की बूँदें चमक रही थीं। **[2]**
**(iv)** मांगलिक अवसरों पर वातावरण में पवित्रता और आनंद भरने के लिए वाद्ययंत्रों से बजाई जाने वाली ध्वनि मंगलध्वनि कहलाती है। शहनाई मंगलध्वनि का प्रमुख वाद्य है। बिस्मिल्ला खाँ ने अपनी साधना से शहनाई को साध लिया था। तन्मयता के साथ शहनाई बजाकर वातावरण को मंगलपूरित करने में उन्हें महारथ हासिल थी। इन्हीं विशेषताओं के कारण उन्हें मंगलध्वनि का नायक कहा जाता है। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

**Q9.** **[5]**

**(i)** (b) हृदय अर्थात् वक्ष **[1]**
**(ii)** (b) हर ओर, चारों तरफ **[1]**
**(iii)** (d) अभिकथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही है। **[1]**
**(iv)** (c) सौंदर्य और ऐश्वर्य की छटा **[1]**
**(v)** (c) हरा और लाल **[1]**

**Q10.** **[6]**

**(i)** लक्ष्मण के वचन व्यंग्य, उपहास और तीखेपन से भरे थे, जो परशुराम का क्रोध बढ़ाते थे। राम के वचन विनम्र, मधुर और शांत थे, जो क्रोध की अग्नि को जल की तरह शीतल करते थे। **[2]**
**(ii)** 'बड़भागी' कहकर गोपियाँ व्यंग्य करती हैं। वे कहना चाहती हैं कि उद्धव कृष्ण के पास रहकर भी प्रेम-बंधन में नहीं बँधे, इसलिए प्रेम के आनंद और विरह की पीड़ा दोनों से अनजान हैं। वास्तव में वे अभागे हैं। **[2]**
**(iii)** असफलता को अंतिम सत्य नहीं मानना चाहिए। हर थकान और विफलता के बाद फिर से प्रयास करने का अवसर रहता है; यही आशा का संदेश है। **[2]**
**(iv)** कवि को लगता था कि उसका जीवन अभावों से भरा है, जिसमें सुनाने लायक कुछ नहीं। उसे भय था कि लोग उसकी दुर्बलताओं पर हँसेंगे और कहीं मित्र ही उसके जीवन-रस से अपना जीवन भरने वाले न हों। इसलिए वह कतराता रहा। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

**Q11.** **[8]**

**(i)** पहले गाँव में संयुक्त परिवार, कच्चे घर, आपसी आत्मीयता और सामूहिक खेल थे; अब शिक्षा, संचार-साधन, बिजली, आधुनिक कृषि की सुविधाएँ हैं। बच्चे मोबाइल-इंटरनेट से जुड़े हैं, पर आत्मीयता और सामूहिकता घटी है। शिक्षा-सुविधाओं का बदलाव सकारात्मक है, किंतु आत्मीयता का ह्रास चिंताजनक है। (मत स्पष्ट तर्क सहित) **[4]**
**(ii)** सफ़ेद पताकाएँ शांति और अहिंसा की प्रतीक हैं, जिन पर मंत्र लिखे होते हैं। मान्यता है कि किसी बौद्ध की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए किसी पवित्र स्थान पर एक सौ आठ श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं। रंगीन पताकाएँ किसी नए कार्य के शुभारंभ पर लगाई जाती हैं। (चार बिंदु) **[4]**
**(iii)** अनुभव में देखी-सुनी या भोगी हुई बाहरी घटना होती है; अनुभूति उसके प्रभाव से उपजी आंतरिक संवेदना है। लेखक को लेखन में अनुभूति अधिक प्रभावित करती है, क्योंकि वह भीतर घनीभूत होकर लेखक को लिखने को विवश करती है। बाहरी अनुभव मात्र से सशक्त रचना नहीं बनती। (अंतर – 2, कौन-सा व क्यों – 2) **[4]**
(किन्हीं दो के उत्तर पर 4×2=8 अंक)

## खंड – घ

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

**Q12.** **[6]**

मुख्य बिंदु : पिज़्ज़ा, बर्गर, चिप्स आदि कम पोषक, अधिक वसा-शर्करा वाले पदार्थ; विज्ञापन, सुविधा व स्वाद के कारण बढ़ता चलन; मोटापा, पाचन व हृदय रोग; घर का भोजन व व्यायाम अपनाएँ। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

**OR**

मुख्य बिंदु : मन की दृढ़ता से ही जय-पराजय; निराशा शक्ति घटाती है; दृष्टिकोण बदलने पर कठिनाई अवसर बनती है; उदाहरण : अरुणिमा सिन्हा, दिव्यांग खिलाड़ी। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

**OR**

मुख्य बिंदु : सरकारी सेवाओं व भुगतान का डिजिटलीकरण (यू.पी.आई., ई-गवर्नेंस); पारदर्शिता, समय की बचत; डिजिटल असमानता, साइबर ठगी; डिजिटल साक्षरता। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

**Q13.** **[5]**

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, संपादक; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : पुलिस के प्रयासों से अपराध में कमी; अभी सुधार की आवश्यकता, जैसे गश्त व शिकायत-निवारण; अपराध रोकना पुलिस व समाज दोनों की सामूहिक ज़िम्मेदारी; पड़ोसियों में सतर्कता, सूचना देना व कानून का पालन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

**OR**

प्रारूप : स्थान व दिनांक; प्रिय मानव संबोधन; मुख्य भाग; शुभकामना सहित समापन (तुम्हारा मित्र) व नाम। मुख्य बिंदु : आसपास के अशिक्षित प्रौढ़ों की समस्याएँ (पत्र, बैंक, सरकारी फ़ॉर्म में कठिनाई); शाम के समय अक्षर-ज्ञान व गिनती की कक्षा; परिवार व मोहल्ले का सहयोग; मित्र को भी इस पुण्य कार्य में जुड़ने का आग्रह। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

**Q14.** **[5]**

प्रारूप : शीर्षक 'स्ववृत्त'; नाम, पता, दूरभाष, ई-मेल, जन्मतिथि; शैक्षणिक योग्यता; अनुभव; कौशल व रुचि; आवेदित पद; संलग्नक; दिनांक व हस्ताक्षर। मुख्य बिंदु : एम.बी.बी.एस. (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल); चिकित्सा-प्रशिक्षण व सेवा-भाव; इंटर्न डॉक्टर पद हेतु आवेदन; संलग्नक (डिग्री/पंजीकरण)। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

**OR**

प्रारूप : प्रेषक-ई-मेल, प्राप्तकर्ता-ई-मेल, विषय-पंक्ति, संबोधन, विषय-विवरण, समापन व नाम। मुख्य बिंदु : क्षेत्र में जल-भराव की समस्या; नालियों की सफ़ाई न होने से स्वास्थ्य व आवागमन पर प्रभाव; नगर निगम से निरीक्षण व समाधान का अनुरोध; संपर्क-विवरण। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

**Q15.** **[4]**

प्रारूप : आकर्षक शीर्षक, मुख्य संदेश, विशेषताएँ/लाभ, संपर्क-विवरण या आह्वान-वाक्य, प्रायोजक। मुख्य बिंदु : ब्रांड 'दियारा'; ताज़ा व स्वच्छ उत्पाद; ऑनलाइन व ऑफलाइन उपलब्धता; गुणवत्ता व विश्वसनीयता; संपर्क व ऑर्डर-सुविधा; आकर्षक स्लोगन। अंक-विभाजन : रचनात्मक प्रस्तुति 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

**OR**

प्रारूप : संबोधन, मुख्य संदेश, शुभकामना/बधाई, भेजने वाले का नाम व संबंध। मुख्य बिंदु : गीत 'मेरे देश की मिट्टी' के प्रसिद्ध होने पर बधाई; गीत का देशभक्ति भाव; आगे की रचनाओं के लिए शुभकामना। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

*** * * END OF PAPER * * ***